# ओरछा का ग्राम लाडपुराखास यूएन डब्ल्यूटीओ अवॉर्ड में नामांकित

## चर्चा में क्यों?

10 सितंबर, 2021 को प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने ओरछा के ग्राम लाडपुराखास को **यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइज़ेशन अवॉर्ड** में '**बेस्ट टूरिज्म विलेज**'**श्रेणी** के लिये नामांकित किया है।

## प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही **दो अन्य ग्राम मेघालय और तेलंगाना से** नामांकित किये गए है।
- गौरतलब है कि पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम जोड़ते हुए ग्रामीण पर्यटन की अवधारणा को मूर्तरूप देने के उद्देश्य से प्रदेश में '**ग्रामीण पर्यटन**' परियोजना प्रारंभ की गई है।
- अगले पाँच वर्षों में 100 गाँवों को ग्रामीण पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। इनमें ओरछा, खजुराहो, मांडू, साँची, पचमढ़ी, तामिया, पन्ना नेशनल पार्क, बांधवगढ़ नेशनल पार्क, संजय दुबरी नेशनल पार्क, पेंच एवं कान्हा नेशनल पार्क, मतिावली, पड़ावली आदि क्षेत्रों में उपयुक्त स्थलों का चयन कर विकास किया जाएगा।
- ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत 6 मुख्य घटकों- क्षेत्रीय पर्यटन आधारित गतिविधियाँ, पर्यटकों के ठहरने के लिये सुविधाजनक आवास/होम-स्टे, परंपरागत एवं स्थानीय भोजन, सांस्कृतिक अनुभव, कला एवं हस्तकला तथा युवाओं में कौशल उन्नयन पर कार्य किया जा रहा है।
- इससे स्थानीय समुदाय को अपने क्षेत्र में पर्यटन के विकास से सीधा लाभ प्राप्त होगा। टूरिज्म बोर्ड समुदाय की भागीदारी से पर्यटन उत्पादों को विकसित करने का प्रशिक्षण भी दे रहा है।
- 'ग्रामीण पर्यटन' स्थानीय संस्कृति और परंपरा के महत्त्व को बनाए रखते हुए स्थानीय लोगों को पर्यटकों की रुचि और आवश्यकता के बारे में जानने का अवसर उपलब्ध कराता है।
- ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से पर्यटक भी स्थानीय सांस्कृतिक विशिष्टता के आवास विन्यास, स्थानीय भोजन के प्रकार एवं प्रक्रिया, पहनावा, बोली, रीति-रिवाज़, परंपराएँ, आवागमन के स्थानीय साधन, आभूषण, शृंगार गीत, संगीत, वाद्य यंत्र, नृत्य, चित्रकला, अनाज एवं भोजन के संरक्षण के तरीके, स्थानीय खेलकूद, सामाजिकता और आर्थिक सत्कार के तरीके आदि से परिचित होंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ladpura-khas-best-tourism-village-